प्रारंभिक करियर अकादमिकों का सम्मेलन 2024 का आयोजन

एमडीआई गुड़गांव ने व्यापार और समाज के लिए सतत समाधान की खोज की

नई दिल्ली।

मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट झगुड़गांव ने टीचिंग लर्निंग सेंटर झऔर इंडियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट के सहयोग से 19 दिसंबर 2024 को अपने बहुप्रतीक्षित डॉक्टोरल और अर्ली करियर अकादमिक्स कोलोकीयम और कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया। इस आयोजन का थीम था उभरती अर्थव्यवस्थाओं में स्थिरता प्रबंधन शिक्षा में व्यावसायिक उत्कृष्टता को एकीकृत करना। इस कार्यक्रम ने देशभर के विद्वानों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों को प्रबंधन शिक्षा में स्थिरता को शामिल करने के लिए नवीन दृष्टिकोण तलाशने के लिए आमंत्रित किया। 140 पंजीकरणों के साथ, सम्मेलन ने उच्च रुचि और भागीदारी का प्रदर्शन किया। इसमें प्रतिष्ठित संस्थानों/ विश्वविद्यालयों जैसे आईआईटी दिल्ली, आईआईटी

रुड़की, आईआईएफटी, आईआईएम, इंदौर, आईआईएम लखनऊ, आईआईटी पटना, स्छ्ढ्ढ गुड़गांव, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑकलैंड (ऑस्ट्रेलिया), यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स (इंग्लैंड), BITS पिलानी (दुबई), स्काईलाइन यूनिवर्सिटी कॉलेज (शारजाह), École des Dirigeants et des Créateurs d'entreprise (पेरिस), यूनिवर्सिडाड डे लॉस एंडेस (कोलंबिया), डरहम यूनिवर्सिटी (इंग्लैंड), रेक्सहैम यूनिवर्सिटी (इंग्लैंड), लक्ष्य एनर्जी (वर्नोवा), XLRI (जमशेदपुर) से भागीदारी देखी गई। डॉक्टोरल और अर्ली करियर अकादमिक्स कोलोकीयम और कॉन्फ्रेंस के पहले दिन की शुरुआत गर्मजोशी भरे स्वागत और पंजीकरण के साथ हुई, जहां भारत और विदेशों से प्रतिभागी एथेना बैंक्वेट हॉल, द प्लाज़ियो होटल में एकत्रित हुए। कार्यक्रम का आधिकारिक उद्घाटन समारोह दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के प्रेरणादायक भाषण हुए। इन गणमान्य व्यक्तियों में प्रो. अरविंद सहाय, निदेशक, एमडीआई गुड़गांव, प्रो. सुमित कुंडू, अध्यक्ष-INDAM और प्रोफेसर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस, फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी; प्रो. पवन एस. बुधवार, एसोसिएट डिप्टी वाइस चांसलर, एस्टन यूनिवर्सिटी, यूके; और प्रो. ज्योत्स्ना भटनागर, डीन रिसर्च, एमडीआई गुड़गांव शामिल थे। अपने मुख्य भाषण के दौरान, एमडीआई गुड़गांव के निदेशक प्रो. अरविंद सहाय ने प्रभावशाली शोध के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, शोध में अपने जुनून को प्राथमिकता दें, लेकिन यह भी सुनिश्चित करें कि यह प्रासंगिक और प्रभावशाली हो, खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं में स्थिरता के संदर्भ में। यहां पर्यावरणीय पहल के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए।